महात्मा हंसराज जयंती के उपलक्ष्य में डी.ए.वी. विद्यालय- ठाणे में भव्य कार्यक्रम का आयोजन

॥कृण्वन्तो विश्वमार्यम् ॥सत्यं ब्रह्मेति सत्यं ह्येवब्रह्म॥

डी.ए.वी. विद्यालय- ठाणे में महान शिक्षाविद् और समाज सुधारक **महात्मा हंसराज जी की जयंती** (19 अप्रैल 2026) बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों को महात्मा जी के जीवन मूल्यों से परिचित कराना था।

कार्यक्रम का आरंभ **प्रातःकालीन सभा** में प्रार्थना और भजनों के साथ हुआ।**"यज्ञो वै श्रेष्ठतमम् कर्म" -**यज्ञ सर्व श्रेष्ठ कर्म है"- इस बात को ध्यान में रखते हुए जयंती को यादगार बनाने के लिए **कक्षा नौवीं** के विद्यार्थियों ने **हवन** का आयोजन किया। छात्रों द्वारा वेदमंत्रों का शुद्ध और स्पष्ट उच्चारण किए जाने से पूरा वातावरण अत्यंत पवित्र और सात्विक हो गया। संपूर्ण विद्यालय को छात्रों ने आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इसके साथ ही **कक्षा छठी** के विद्यार्थियों के लिए आयोजित अंतर-सदन (Inter-House) **भजन प्रतियोगिता** में **गंगा, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी** हाउस के बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विजयी हाउस को पुरस्कृत किया गया। छात्रों ने महात्मा जी के आदर्शों पर आधारित सुंदर **स्लोगन** भी लिखे। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण **प्रधानाचार्या सिम्मी जूनेजा जी** का संबोधन रहा। उन्होंने न केवल बच्चों को प्रेरित किया, बल्कि महात्मा हंसराज जी के जीवन से संबंधित कुछ **रोचक प्रश्न** भी पूछे, जिनका छात्रों ने उत्साहपूर्वक उत्तर दिया। उन्होंने बच्चों को महात्मा जी के व्यक्तित्व पर कुछ पंक्तियाँ बोलने के लिए प्रोत्साहित किया और उनके 'सादा जीवन, उच्च विचार' के सिद्धांत से **सीख लेने की शिक्षा** दी। शिक्षकों ने भी अपने भाषण के माध्यम से उनके योगदान पर प्रकाश डाला।**प्रधानाचार्या** जी द्वारा दिए गए इस प्रभावशाली **वक्तव्य से पूरा विद्यालय परिवार ऊर्जावान और प्रेरित महसूस कर रहा था।** सभी ने संकल्प लिया कि वे महात्मा हंसराज जी के दिखाए मार्ग पर चलकर समाज और राष्ट्र की सेवा करेंगे। यज्ञप्रार्थना एवं शांति पाठ के साथ इस सफल कार्यक्रम का समापन हुआ।